verge of closure. So I wish to draw the attention of the Government to this aspect. The matter reads like this:

Early last year the Government of India by Notification imposed heavy increases in the export duties on several plantation crops like cardamom, coffee and tea. This was done to secure for the exchequer some share of the boom in the prices that these commodities were enjoying in the foreign markets and also to benefit the internal consumers by exercising a check on the local market. It was in appreciation of this that the duty on coffee was substantially reduced. But not such cut has been effected in regard to tea. The price of tea, both within the country and outside, has ... down steeply. Already it has be..n affecting the day to day work of the tea estates.

The industry employs over one million workmen and any economic hardship on the plantation will have its immediate adverse effect on the employment position. I would therefore appeal to the Minister of Commerce and Industry to examine this question afresh and evolve a satisfactory solution.

(ii) REPORTED DAMAGE TO STANDING CROPS DUE TO NON-SPRAYING BY AGRO-AVIATION DEPARTMENT.

श्री शिवनारायण सरसुनिया (करोलबाग) : सभापति महोदय, मैं नियम, 377 के अन्तर्गत एक महत्वपूर्ण विषय पर कृषि मंत्री जी का वक्तव्य चाहता हूं।

भारत सरकार के ऐग्रो ऐविऐशन डिपार्टमेंट के पास 45 एरियल स्प्रे प्लेज हैं। सब जगह बारिस के कारण कीड़े और टिड्डिया सारी फसलों को नष्ट कर रही हैं लेकिन ये एरियल स्प्रे प्लेज काम में नहीं लाये जाते। ये सारे के सारे बेकार पड़े हैं। इन प्लेंज के बेकार पड़े रहने से पांच करोड़ रुपये की लागत का उपयोग नहीं हो रहा है। एक भी प्लेन अगर स्प्रे करता है तो उससे हमारी 30 लाख रुपय की प्रोडक्शन बढ़ जाती है। हमारे पास 45 हवाई जहाज हैं। उनके स्प्रे न करने से 14 करोड़ रुपये की फसल की कमी का नुक्सान होता है। यह सारी की सारी फसल नष्ट हो जाती है। इस समय जब कि टिड्डियां आ रही हैं और हमारी स्टेट्स उनका मुकाबला नहीं कर पा रही हैं तो एरियल स्प्रे के लिए वे विदेशों को आर्डर देती हैं। इसलिए मैं मंत्री महोदय से मांग करता हूं कि वे इन सारे के सारे प्लेंस जो काम में नहीं लाये जा रहे हैं, उनके बारे में जांच करने के लिए पार्लियामेंट की एक कमेटी बिठायें।

(iii) REPORTED PITIABLE PLIGHT OF LABOURERS WORKING IN FOOD CORPORATION OF INDIA.

श्री राम विलास पासवान (हाजीपुर) मैं आपका ध्यान भारतीय खाद्य निगम एफ० सी०आई०के मजदूरों की दयनीय अवस्था की ओर खींचना चाहता हूं। भारतीय खाद्य निगम में सत्तर हजार अफसर एवं स्टाफ स्थायी हैं जबकि मजदूर सिर्फ दस हजार स्थायी हैं और करीब बीस हजार अस्थायी जिन्हे ठेकेदार की क्रूरता का शिकार होना पड़ रहा है। इन मजदूरों का काम वजन करना, माल चढ़ाना माल उतारना तथा माल ढ़ोना आदि है। खाद्य निगम के द्वारा ठेकेदार को जितना पैसा मजदूरी के नाम पर दिया जाता है उसका एक चौथाई भाग भी मजदूरों को नहीं दिया जाता खाद्य निगम के मजदूर विगत 9 महीने से शान्तिपूर्ण आन्दोलन पर हैं। उन लोगों की एक ही मांग है कि निगम द्वारा जितना पैसा ठेकेदारों को मजदूरी के नाम पर मिलता है वह सीधी मजदूरों को दिया जाए। इस सम्बन्ध में 14 अगस्त को कृषि राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह ने तारांकित प्रश्न संख्या 412 के उत्तर में सदन को आश्वासन दिया था लेकिन खेद है कि सदन में आश्वासन देने के

[श्री राम विलास पासवान]

बाद भी और हम लोगों द्वारा मंत्री महोदय को व्यक्तिगत पत्र लिखने के बावजूद भी अभी तक ठेकेदारी प्रथा को समाप्त नहीं हुई है। एफ०सी०आई० के हजारों मजदूर विगत नौ माह से बेकार बैठे हैं। उनके सामने जीवन मरण का प्रश्न है।

15 hrs.

सब से दुखद स्थिति 20 अगस्त को जम्मू में घटी जब मजदूर अनशन पर बैठे थे और पुलिस की मौजूदगी में ठेकेदार के गुर्दों ने भूख हड़ताल पर बैठे मजदूरों के ऊपर घातक हमला कर दिया। पिस्तौल से घायल मजदूरों में तीन की स्थिति चिन्ताजनक है। आश्चर्य है कि घटना घटने के थोड़ी देर पहले तक 77 मजदूरों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया था। इसी तरह 3-5-78 को फरीदाबाद में खाद्य निगम के मजदूरों पर ठेकेदारों द्वारा गोली चलाई गई जिस में लक्ष्मण नाम का एक मजदूर मारा गया। 21 जुलाई 78 को भी जम्मू में खाद्य निगम के मजदूरों पर गोली चलाई गई थी जिस में कई मजदूर बुरी तरह घायल हुए थे। इस सम्बन्ध में मजदूर यूनियन संबंधित मंत्री एवं प्रधान मंत्री को भी तार द्वारा सूचना दी गई थी। ।

विगत 20 अगस्त को घटना से केन्द्रीय भण्डागार निगम श्रीखला नई दिल्ली, फरीदाबाद, हरियाणा, अशोक नगर आदि जगहों के मजदूरों में काफी रोष है। ये मजदूर प्राय. अनुसूचित जाति तथा पिछड़ी जाति के सदस्य हैं।

यदि सरकार ने मजदूरों के हित में तत्काल कोई ठोस कदम नहीं उठाया ठेकेदारी प्रथा समाप्त नहीं की और मजदूरों पर हमला करने वालों के खिलाफ कड़ी करवाई नहीं की तो स्थिति विस्फोटक हो सकती है।

(iv) REPORTED SEARCH OF RESIDENCE OF AN M.P. BY POLICE ON 23-8-1978

श्री कल्याण जैन (इंदौर): सभापति महोदय, मैं नियम 377 के अधीन देश भर में चर्चित मंत्री के पुत्र की रपट पर संसद सदस्य के घर की तलाशी पर प्रधान मंत्री एवं गृह मंत्री का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

संसद सदस्य श्री राम नरेश कुशवाहा के घर को पुलिस ने दिनांक 23 अगस्त 78 को अध्यक्ष की बगैर अनुमति के घेर लिया व उनके घर की तलाशी ली। संसद सदस्य श्री राम नरेश कुशवाह के घर की तलाशी बगैर अध्यक्ष की अनुमति के लेना हमारे मन को भयभीत कर रहा है व इस घटना से संसद सदस्य अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

समाचार पत्रों की खबरों से यह मालूम हुआ कि संसद् सदस्य के घर की तलाशी किसी फौजदारी अपराध की तहकीकात के तहत की गई थी। गत कई सप्ताह से हिन्दुस्तान के अखबारों में इस प्रकरण व घटना सम्बन्धी समाचार छप रहे हैं।

यह भी समाचारों से ज्ञात हुआ है कि पुलिस द्वारा संसद सदस्य के घर की तलाशी एक मंत्री के लड़के की रपट पर की गई है (व्यवधान)

****

सभापति महोदय : यह रिकार्ड में नहीं जाएगा। जो आप ने लिख कर दिया है उसके अलावा आपकी कोई बात रिकार्ड पर नहीं जाएगी।

श्री कल्याण जैन संसद् सदस्य के घर से कुछ नहीं मिला ऐसे भी समाचार हैं।

SHRI D. N. TIWARY (Gopalganj): Mr. Chairman, Sir, this matter was referred on the floor of this House by

****Not recorded.